

SHRI BABULAL DAHIYA

Shri Babulal Dahiya is a farmer from Madhya Pradesh.

2. Born on January 01, 1943, Shri Dahiya has worked for protection and promotion of more than 200 traditional breeds of paddy, 14 traditional breeds of wheat, 40 traditional breeds of vegetables and 20 traditional breeds of grains. He has been growing 110 varieties of traditional rice in 2 acre of land and more than 100 varieties of pulses, grains and vegetables in 6 acres of land.

3. Shri Dahiya has been organizing biodiversity awareness campaign on conservation of seed varieties. Inspired by the work of Shri Dahiya, Biodiversity Board of Madhya Pradesh has started a Beej Yatra to collect 1600 seeds from 24 districts. He has been doing organic farming without using pesticides, insecticides and chemical fertilizers.

4. Shri Dahiya has to his credit publication of various books including Janpadiya Lokgeet, Janpadiya Aakhyaan, Janpadiya Lokkathayen, Pasina Hamre Bud, Syanan Ke Thati. He has also authored a Collection of Idioms and Phrases concerning Biodiversity published by Biodiversity Board Bhopal.

5. Shri Dahiya has been President, Sarjana Samajik Sanskritik Evam Sahitiyik Manch; President, Jaivvividhata Prabandhan Samiti, Pithourabad; Member, Krishi Vigyan Kendra Vaigyanik Salahakar Samiti etc.

6. Shri Dahiya has received various honours and awards including Prayavaran Mitra Puraskar by Center For Environment Education; Krishi Basant by Govt. of Maharashtra; Baiju Samman by Lokbhasha Vikas Parishad, Sivini; Udhyan Pradarshni Samman 2017 by Krishi Vibhag, Satana and Biodiversity Award by MP State Biodiversity Board in 2011 etc.

श्री बाबूलाल दाहिया



श्री बाबूलाल दाहिया मध्य प्रदेश के किसान हैं।

2. आपका जन्म 01 जनवरी, 1943 में हुआ था। आपने धान की 200 से अधिक पारम्परिक किस्मों, गेहूँ की 14 पारम्परिक किस्मों, सब्जियों की 40 पारम्परिक किस्मों और अनाजों की 20 पारम्परिक किस्मों के संरक्षण और संवर्धन का कार्य किया है। आप 2 एकड़ भूमि में पारम्परिक चावल की 110 किस्मों का उत्पादन कर रहे हैं और 6 एकड़ भूमि में दालें, अनाज और सब्जियों की 100 किस्में उगा रहे हैं।

3. आप बीजों की किस्मों के संरक्षण के संबंध में जैवविविधता जागरूकता अभियान चला रहे हैं। अपके कार्य से प्रभावित होकर मध्य प्रदेश के जैवविविधता बोर्ड ने 24 जनपदों से 1600 बीजों को एकत्र करने के लिए बीज यात्रा आरंभ की है। आप कीटनाशकों, कृमिनाशकों और रसायनिक उर्वकों का उपयोग किये बिना जैविक खेती कर रहे हैं।

4. आपकी अनेक पुस्तकें भी प्रकाशित हुई हैं जिनमें जनपदिया लोकगीत, जनपदिया आख्यान, जनपदिया लोक कथाएं, पसीना हमारे बूंद, स्यानन के थाटी शामिल हैं। आपने जैव विविधता से संबंधित लोकोक्तियों और कहावतों का एक संग्रह भी लिपिबद्ध किया है जिसे जैव विविधता बोर्ड भोपाल द्वारा प्रकाशित किया गया।

5. आप सरजना सामाजिक सांस्कृतिक एवं साहित्यिक मंच के अध्यक्ष, जैवविविधता प्रबंधन समिति, पिथौराबाद के अध्यक्ष; कृषि विज्ञान केन्द्र वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य आदि भी रहे हैं।

6. आपको अनेक सम्मानों और पुरस्कारों से नवाजा गया है जिनमें पर्यावरण शिक्षा के लिए केन्द्र सरकार द्वारा पर्यावरण मित्र पुरस्कार; महाराष्ट्र सरकार द्वारा कृषि बसन्त; लोकभाषा परिषद, शिविनी द्वारा बैजू सम्मान; कृषि विभाग सतना द्वारा उद्यान प्रदर्शिनी सम्मान 2017 और मध्य प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा जैवविविधता पुरस्कार, 2011 आदि शामिल हैं।